Reconciliation among Different Tamil Groups in Sri Lanka

106. SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE:

SHRI MAHENDRA PRASAD:

SHRI SURESH PACHOURI:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state what success was achieved in India's efforts at bringing about a reconciliation among different Tamil groups in Sri Lanka and to stop fratricide amongst the Tamil factions in that country?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI I. K. GUJRAL): Shri M. Karunanidhi, as a respected Tamil leader, was requested, early in December, to make efforts to bring Sri Lankan Tamil Groups together in a non-partisan manner, to prevent internecine fighting among them. These talks did not result in a definitive outcome. However, after the deinduction of the IPKM, there has not been any significant violence between different Tamil groups in Sri Lanka.

Freedom Fighters of Dadra and Nagar Haveli

107. SHRI PRAMOD MAHAJAN: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that freedom fighters who liberated Dadra and Nagar Haveli are proposed to be honoured with Central Pension;

(b) if so, what are the details in this regard; and

(c) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI SUBODH KANT SAHAY): (a) to (c) The last date for receipt of applications for grant of pension under Swatantrata Sainik Samman Pension Scheme, 1980 was 31-3-1982. This Ministry have not received any application from freedom fighters of Dadra and Nagar Haveli.

Telecasting the Programme "Today in Legislature" from Doordarshan Kendras at State Capitals

108. SHRI PRAMOD MAHAJAN: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a programme "Today in Legislature" on the line of 'Today in Parliament' would be telecast from the Doordarshan Kendras at State Capitals where all facilities are available;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI P. UPENDRA): (a) to (c) Some Doordarshan Kendras are doing programme such as "Today in Legislature"/"This Week in Legislature", etc. However, due to constraint of studio facilities and manpower, it is not possible to telecast presently such a programme from all the State capitals. However, Assembly proceedings are also covered in the regional news bulletins put out by regional Doordarshan Kendras.

Nepalese PM's Message to India's PM on Bilateral Relations

109. SHRI SHANTI TYAGI: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the Prime Minister of Nepal has sent a message to the Prime Minister of India expressing his desire for improving Indo-Nepal relations and to find out solution of problems between the two countries; and

(b) if so, the details in this regard and the reaction of the Government of India thereto?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI I. K. GUJRAL): (a) and (b) On May 1, 1990, the Finance Minister of Nepal, Dr. Devendra Raj Pandey, handed over to PM a letter from the Prime Minister of Nepal, Shri K. P. Bhattarai. The contents of the letter are being studied. The Government of India will respond suitably in line with its policy of sustaining and enhancing warm, cooperative relations with friendly Nepal.

चकमा शरणार्थियों की समस्याएं

110. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या प्रधान मंत्री ने चकमा शरणार्थियों की समस्याओं को सुलझाने के लिए त्रिपुरा के मुख्य मंत्री को पूरी मदद देने की पेशकश की है ;

(ख) यदि हां, तो केन्द्रीय सरकार त्रिपुरा की सरकार को क्या मदद प्रदान की है; और

(ग) अब तक कितने चकमा शरणार्थियों ने बंगलादेश से भारत में प्रवेश किया है और उनके पुनर्वास के लिए क्या-क्या प्रबंध किए गए हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कान्त सहाय) : (क) और (ख) शरणार्थियों के रखरखाव का पूरा खर्चा भारत सरकार उठा रही है और शरणार्थियों के आने के बाद से मार्च, 1990 के अंत तक राज्य सरकार को 20.11 करोड़ रुपये की धनराशि दी जा चुकी है। त्रिपुरा के मुख्य मंत्री से प्राप्त पत्र के उत्तर में प्रधान मंत्री ने उन्हें, शरणार्थियों की शीघ्र वापसी के लिए विदेश मंत्री द्वारा हाल में किये गये ढाका के दौरे सहित बंगलादेश सरकार के साथ उठाये जा रहे मामले से सूचित किया है।

(ग) 10-4-1990 को त्रिपुरा में विभिन्न शिविरों में रह रहे बंगलादेशी शरणार्थियों की कुल संख्या 58,406 है। शरणार्थियों को अस्थायी रूप से शिविरों में ठहराया गया है और जल्दी ही उनके अपने मूल देश को लौट जाने की संभावना है।

देश में बम विस्फोट की घटनाएं

111. **चौधरी हरि सिंह :**
डा० रत्नाकर पाण्डेय :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत दो माह के दौरान दिल्ली और देश के अन्य भागों में कुल कितने बम विस्फोट हुए ;

(ख) इन बम विस्फोटों के कारण जान और माल की कितनी वास्तविक हानि हुई ; और

(ग) इस संबंध में कितने व्यक्ति गिरफ्तार किये गये ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कान्त सहाय) : (क) मार्च, और अप्रैल, 1990 के महीनों में दिल्ली में पांच बम विस्फोट हुए। अन्य राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों से संबंधित सूचना एकत्र की जा रही है और सदन के पटल पर रख दी जाएगी।

(ख) सूचित किया गया है कि दिल्ली में हुए पांच बम विस्फोटों में 9 व्यक्तियों की जानें गईं। तिलक नगर और राजौरी गार्डन के पुलिस स्टेशनों के ईंवनों को क्षति पहुंची। एक दिल्ली परिवहन की बस और एक मारुति जिप्सी भी क्षतिग्रस्त हुई। अन्य राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों से सूचना एकत्र की जा रही है और सदन के पटल पर रख दी जाएगी।

(ग) दिल्ली में हुई पांच बम विस्फोट की घटना के संबंध में किसी भी व्यक्ति को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। अन्य राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों से संबंधित सूचना एकत्र की जा रही है और सदन के पटल पर रख दी जाएगी।